

ZÚMEसत्र 3 का वीडियो स्क्रिप्टस्

महान आशीर्ष

इस सत्र में, हम परमेश्वर की महान, महानतम और सबसे महान आशीर्षों के बारे में और इन्हें दूसरों के साथ बाँटने के बारे में बात करेंगे। जब कोई यीशु का शिष्य बनने का निर्णय लेता है, तब आप सही मार्ग पर चलने के लिए उनकी सहायता कैसे करेंगे?

आप उनकी सहायता कैसे करेंगे ताकि वे परमेश्वर के राज्य में उत्पन्न करनेवाले बनें ना कि एक और उपयोग करनेवाले?

आप उनकी सहायता कैसे करेंगे - उन सभी आशीर्षों को ग्रहण करने के लिए जो परमेश्वर देना चाहते हैं?

मैं इन्हें बताकर आरंभ करता हूँ...

- यीशु का शिष्य बनना एक आशीर्ष है।
- दूसरों को यीशु का शिष्य बनाना एक महान आशीर्ष है।
- एक नये आत्मिक परिवार की शुरुवात करना महानतम आशीर्ष है।
- नये आत्मिक परिवारों की शुरुवात करने के लिए दूसरों को तैयार करना सबसे महान आशीर्ष है।

आपने यीशु के पीछे चलने का निर्णय लिया है इसलिए परमेश्वर ने आपको आशीर्ष दी है।

मैं चाहता हूँ कि आप परमेश्वर की महान आशीर्ष, महानतम आशीर्ष और सबसे महान आशीर्षों को पायें। मैं आपको बताना चाहूँगा, कैसे यदि वे और ज्यादा जानना चाहते हैं, तो मैं उन्हें 100 पहचान वालों की सूची बनाने के लिए कहता हूँ।

फिर मैं उन्हें उस सूची से पाँच लोगों को चुनने के लिए कहता हूँ—पाँच लोग जो यीशु को जानते हैं—पाँच लोग जिन्हें वे सीधे बताना चाहते हैं।

यीशु के पीछे चलना एक आशीर्ष है। आप और इस आशीर्ष को किसके साथ बाँटना चाहते हैं?

मैं उन्हें अपनी गवाही बताना सिखाता हूँ—परमेश्वर उनके जीवन में जो कर रहे हैं, उसकी कहानी। मैं उन्हें सुसमाचार बाँटना सिखाता हूँ—परमेश्वर दुनिया में जो कर रहे हैं उसकी कहानी। मैं उन्हें सिखाता हूँ कि परमेश्वर की महान, महानतम और सबसे महान आशीर्षों को कैसे बाँटना है।

जिन पाँच लोगों को उन्होंने चुना है, उनके साथ मैं एक बार उन्हें अभ्यास करने के लिए कहता हूँ। पहले उनकी कहानी। फिर परमेश्वर की कहानी। फिर परमेश्वर की आशीर्षें।

हर बार, मैं उनकी सूची में से एक व्यक्ति बनने का नाटक करता हूँ।

वे जब भी अपनी कहानी बताते हैं, तो वे परमेश्वर की कहानी बताते हैं। वे मुझे भी यीशु का शिष्य बनने के लिए

कहते हैं। वे परमेश्वर की महान, महानतम और सबसे महान आशीषों के बारे में सिखाते हैं। मैं हर बार उनसे प्रश्न पूछता हूँ या ऐसी टिप्पणी करता हूँ जो शायद से वह व्यक्ति करता। अभ्यास करने के बाद, मैं उनसे दो दिन बाद फिर मिलने के लिए कहता हूँ - यह देखने के लिए कि वे कैसा कर रहे हैं।

सूची में से पाँच लोगों से मिलने के लिए मैं उन्हें पर्याप्त समय देना चाहता हूँ, लेकिन मैं इतना ज्यादा समय नहीं देना चाहता कि वे इसे छोड़ दें या भूल जाएं।

मैं हमेशा फोन नंबर या ईमेल या संपर्क में बने रहने के दूसरे माध्यम भी मांगता हूँ।

मैं उनके साथ प्रार्थना करता हूँ कि परमेश्वर उन्हें सही शब्द दें जैसे उन्होंने मुझे दिये हैं। हम दो दिनों के बाद फिर मिलते हैं और बात करते हैं कि प्रचार कैसे चल रहा है।

यदि उन्होंने शुरुवात नहीं किया है, तो मैं उन्हें और अभ्यास करने के लिए कहता हूँ। मैं उनके साथ उन पाँच लोगों में से किसी के भी पास चलने के लिए कहता हूँ। प्रचार करने के लिए मैं उनकी हर संभव सहायता करता हूँ।

लेकिन मैं उन्हें नई चीजें नहीं बताता। उन्होंने जो सीखा है, उसके प्रति विश्वासयोग्य बनने के लिए मैं उन्हें अच्छा अवसर देना चाहता हूँ।

यदि वे मना करते हैं या बहाने बनाते हैं, तो मैं परमेश्वर से पूछता हूँ, क्या यह 'अच्छी भूमि' है जो उनके राज्य के लिए फलदायी होगी या मुझे कही और निवेश करना चाहिए। यदि वे प्रचार करते हैं - तो हम उत्सव मनाते हैं!

उस सूची में से कोई भी विश्वास न करने पर भी मैं उत्साहित होता हूँ कि उन्होंने सुना, आज्ञा मानी और प्रचार किया। यह विश्वासयोग्य बनना है।

वे थोड़े में विश्वासी रहे, इसलिए उन्हें और ज्यादा बताने में मुझे खुशी होती है। मैं बपतिस्मा के बारे में बताता हूँ और उन्हें उपयोग करने के लिए दूसरे माध्यम देता हूँ जैसे -- या -- ।

उनकी 100 लोगों की सूची में से कुछ और लोगों को चुनने के लिए कहें - जो लोग यीशु को नहीं जानते या उनके शिष्य नहीं हैं।

फिर मैं उनके साथ उनकी कहानी, परमेश्वर की कहानी और परमेश्वर की आशीषों लेकर पहले की तरह अभ्यास करता हूँ। और हम प्रार्थना करते हैं।

अब उनकी सूची में से कोई विश्वास करता है, तो हम सच में उत्सव मनाते हैं!

परमेश्वर का परिवार बढ़ रहा है!

मैं हमेशा पूछता हूँ क्या उन्होंने महान, महानतम और सबसे महान आशीषों के बारे में बताया क्योंकि यही परमेश्वर के परिवार को लगातार बढ़ाता है।

यदि उन्होंने परमेश्वर की आशीषों के बारे में नहीं बताया, तो हम इसे दोबारा बताते हैं, यीशु का एक नया शिष्य एक सूची कैसे बना सकता है वे अपनी कहानी को और परमेश्वर की कहानी को और आशीषों को कैसे बता सकते हैं – ताकि यीशु के नये विश्वासी भी प्रचार करना सीखें।

अभ्यास के बाद, मैं उन्हें नये विश्वासी के पास वापस भेजता हूँ ताकि वे प्रचार करना जारी रखें।

लेकिन उनके बारे में क्या जिन्होंने प्रचार किया और उन्होंने आशीषों के बारे में बताया और किसी ने विश्वास किया?

जब ऐसा होता है तब मैं आनंद से भर जाता हूँ।

परमेश्वर का वचन ऐसे व्यक्ति को "अच्छी भूमि" कहता है – जो परमेश्वर के परिवार को उससे कहीं ज्यादा बढ़ा सकते हैं जिस तरह से मैंने देखा है!

मुझे जब भी ऐसा व्यक्ति मिलता है, मैं अक्सर उनसे मिलने की योजना बनाता हूँ। मैं उनके आत्मिक विकास में बहुत निवेश करता हूँ।

मैं नई पाठ सिखाता हूँ जैसे बपतिस्मा और तीन-तीन का समूह कैसे शुरू करना है। अब वे आत्मिक परिवार को बढ़ा सकते हैं – यीशु के नये विश्वासियों के साथ शुरू करते हुए।

क्योंकि वे विश्वासयोग्य हैं, मैं उन्हें ज्यादा से ज्यादा बताने में और परमेश्वर के अगले कार्य को देखने में उत्साहित रहता हूँ। हमेशा, एक बार में एक कदम। हमेशा उन्हें सीखने, आज्ञा मानने और वे जो जानते हैं, उसे बताने का एक मौका देते हुए।

परमेश्वर का धन्यवाद देते हुए मैं इस व्यक्ति के लिए भी प्रार्थना करता हूँ – कि उन्होंने मुझे उसके साथ बाँटने और सीखने का अवसर दिया और हमेशा उनसे माँगता हूँ कि उन्हें उनकी सबसे महान आशीष दें।